सांध्य दैनिक 4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 144 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 1 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अगर कोई काली बिल्ली आपका रास्ता काटती है, तो इसका मतलब है कि वो कहीं जा रही है।

-ग्रुशो मार्क्स

नीरज ने फिर फेंका स्वर्णिम... 7 | राजस्थान-मप्र और छत्तीसगढ़ में बिछने... 3 | भाजपा ने भारत के विकास के किए... 2

20 जुलाई से मानसून सत्र का आगाज

मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

सरकार ने की सहयोग की अपील, विपक्ष भी तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से हंगामेदार होने के आसार है। जहां सरकार ने विपक्ष से सहयोग की अपील की है वहीं विपक्ष ने जनहित के मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरने का मन बनाया है। वहीं सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि समान अचार संहिता (यूसीसी) व दिल्ली से संबंधित अध्यादेश भी दस सत्र में रखे जा सकते हैं। उधर मणिपुर हिंसा व अमेरिकी द्रोन की खरीद जैसै मामले विपक्ष जोरदार तरीके से उठा सकता है।

मानसून सत्र के दौरान दिल्ली के लिए लाए गए केंद्र सरकार के संशोधन बिल पर भी चर्चा हो सकती है। बता दें कि यह बिल सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद लाया गया है, जिसमें दिल्ली में प्रशासन के लिए कोर्ट ने दिल्ली सरकार को अधिकृत किया है। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी काफी मुखर है और विभिन्न पार्टियों का समर्थन जुटाकर केंद्र पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में संसद के मानसून सत्र के दौरान इस पर खूब हंगामा देखने को मिल सकता है। मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर भी विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार को घेर सकती हैं।

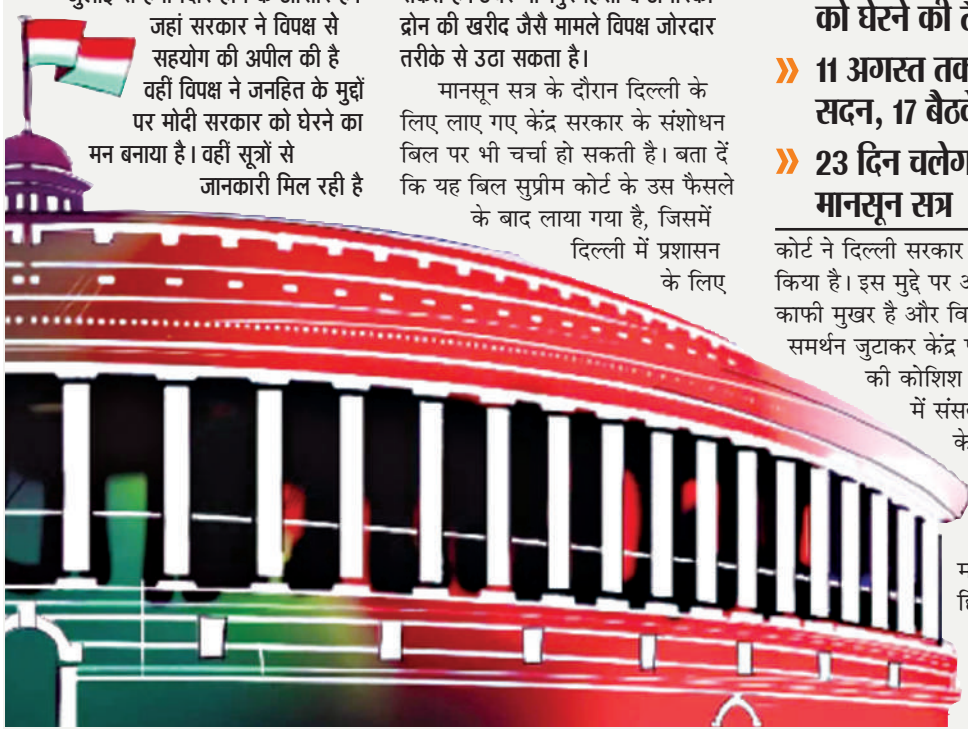

» मणिपुर हिंसा-दिल्ली संशोधन बिल पर सरकार को घेरने की तैयारी

» 11 अगस्त तक चलेगा सदन, 17 बैठकें होंगी

» 23 दिन चलेगा मानसून सत्र

सीसीपीए की बैठक में हुआ फैसला

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) ने सत्र की तारीखों पर मुहर लगा दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीसीपीए की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तारीख पर फैसला हुआ। संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी ने ट्वीट कर लिखा, संसद का मॉनसून सत्र, 2023 आगामी 20 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगा। 23 दिन तक चलने वाले इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। मैं सभी पार्टियों से सत्र के दौरान संसद के विधायी और अन्य काम-काज में रचनात्मक योगदान देने की अपील करता हूं।

पुरानी संसद से ही शुरू होगा सत्र

सूत्रों ने बताया कि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत पुराने संसद भवन में हो सकती है, लेकिन बीच में इसे नए संसद भवन में स्थानांतरित होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ये मानसून सत्र नई संसद के उद्घाटन के बाद से आयोजित होने वाला पहला सत्र होगा। हालांकि कुछ लोगों कह रहे संसद का मानसून सत्र संसद भवन की नई इमारत में आयोजित हो सकता है। पर अभी इसे लेकर आधिकारिक एलान होना बाकी है।

यूसीसी बिल हो सकता है पेश

बता दें कि मानसून सत्र में कई अहम बिल पेश हो सकते हैं। इनमें यूसीसी भी शामिल हो सकता है। इस पर पूरे देश की नजर हैं। कुछ दिनों पहले पीएम मोदी ने यूसीसी की वकालत की थी। पूरे देश में यूसीसी को लेकर राजनीति गर्म है। लॉ कमीशन भी इसे लेकर राय ले रहा है। ऐसे में संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे पर खासा हंगामा होने का अनुमान है।

मुक्त भूमि पर बने आवास के आवंटन मामले में याचिका खारिज

» अदालत ने जल्द सुनवाई से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अवकाशकालीन पीठ ने अतीक से मुक्त नजूल भूमि पर बने फ्लैटों के आवंटन के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका की शीघ्र सुनवाई से इन्कार कर दिया। अब इस याचिका की सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में होगी। याची क्राइम प्रीवेंशन कांउसिल ऑफ इंडिया के अधिवक्ता ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले जनहित याचिका पर सुनवाई की गुहार थी।

याची के शीघ्र सुनवाई की प्रार्थना पर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। याची के

अधिवक्ता गौरव गुलाटी और ऋषभ राज ने पीठ को बताया कि माफिया अतीक अहमद से मुक्त जमीन पर गरीबों के लिए बने फ्लैटों के आवंटन में घोर अनियमितताएं बरती गई है और सीएम आवंटियों को चाभी सौंपने के लिए शहर में थे। शीघ्र सुनवाई की प्रार्थना पर राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि जनहित याचिका याची के प्रचार का हथकंडा मात्र है, जुर्माने के साथ खारिज किया जाए।

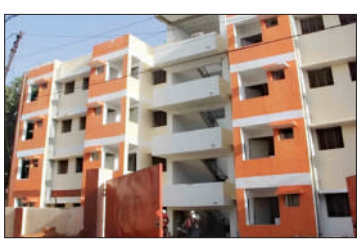

योगी व मायावती ने दी अखिलेश को जन्मदिन की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर शनिवार को सुबह बसपा सुप्रीमो मायावती ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट में अखिलेश यादव व उनके परिवार वालों को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी अच्छी सेहत के साथ लंबी उम्र की शुभकामनाएं दी हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को आज उनके जन्मदिन पर उन्हें व उनके परिवार वालों को हार्दिक बधाई तथा उनकी अच्छी सेहत के साथ लम्बी उम्र की शुभकामनायें इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी और प्रभु श्रीराम से उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

"समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की बधाई! प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य की कामना है।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, यूपी

भाजपा ने भारत के विकास के किए झूठे वादे : अखिलेश

» बूथ, सेक्टर-जोन प्रभारियों से सपा अध्यक्ष ने किया संवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बूथ, सेक्टर और जोन प्रभारियों से सीधे संवाद कर सागंठनिक तैयारियों का जायजा रहे हैं। सभी लोकसभा प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शीघ्र इन स्तरों पर कमेटियां गठित कर अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय को दे दें। पार्टी मुख्यालय के स्तर से हर दिन प्रगति की समीक्षा भी की जा रही है।

लोकसभा के पिछले दो चुनावों के नतीजे सपा के अनुकूल नहीं रहे। सपा और बसपा का गठबंधन भी कोई करिश्मा नहीं दिखा पाया। ऐसे में पार्टी बूथ स्तर पर अपने संगठन को मजबूत कर आगे बढ़ने की रणनीति पर अधिक ध्यान दे रही है। आजमगढ़ और सोनभद्र के बूथ व सेक्टर प्रभारियों से अखिलेश यादव सीधा संवाद कर चुके हैं। उनसे दावेदारों के बारे में तक फीडबैक लिया जा चुका है। इसमें दावेदार के जातिगत समीकरण के साथ-साथ जनता के बीच उसकी पैठ और छवि को देखकर निर्णय लिया जाएगा। बारिश ने आते ही भाजपाई विकास का सच दिखा दिया अखिलेश यादव ने वीडियो ट्वीट कर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि बारिश ने आते ही भाजपाई विकास का सच दिखा दिया। काशी को क्योटो बनाने चले थे, लेकिन वेनिस बना दिया।

लोकसभा प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में कमेटियों का करें गठन

यही प्रयोग अन्य जिलों में भी करने की योजना है। उससे पहले लोकसभा प्रभारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शत-प्रतिशत कमेटियों का गठन शीघ्र कर दें। 5-10 बूथ मिलाकर सेक्टर और 6-10 सेक्टर मिलाकर जोन तैयार किए जा रहे हैं। तय हुआ है कि कुछ जिलों में अखिलेश यादव जाकर इन प्रभारियों से संवाद करेंगे तो कुछ जिलों के प्रभारियों को लखनऊ पार्टी मुख्यालय पर भी बुलाया जा सकता है। इसके जरिये प्रयास है कि एक तो दावेदारों के बारे में आकलन कर लिया जाए। साथ ही बूथ से लेकर जोन प्रभारियों तक के मन में यह बात बैठानी है कि उन्हें किसी व्यक्ति विशेष का चुनाव नहीं, बल्कि पार्टी के प्रत्याशी का चुनाव लड़ाना है। जो भी दावेदार सबसे मजबूत होगा, उसी पर पार्टी दांव लगाएगी।

राजस्थान में कांग्रेस की फिर सरकार बनाएंगे : सचिन

» पायलट हुए सक्रिय, समर्थक विधायकों से मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के कई नेताओं से मुलाकात करने के बाद सचिन पायलट जयपुर आ गए हैं। यहां आते ही पायलट ने अपने निवास पर पंजाब कांग्रेस प्रभारी और बायतु बाड़मेर से विधायक हरीश चौधरी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और श्रीमाधोपुर से विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत, परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला सहित कई नेताओं से मुलाकात की है। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और कांग्रेस दोनों ने अब तक स्पष्ट नहीं किया है कि संगठन या सरकार में उन्हें कौनसा नया पद मिलेगा? लेकिन पायलट की मुलाकातों से ये स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि उन्हें जल्दी ही पद से नवाजा जाएगा।

कांग्रेस हाईकमान पायलट को साथ जोड़े रखने के लिए उन्हें कोई महत्वपूर्ण पद देकर शांत कराना चाहता है। लेकिन, पायलट के उठाए गए मुद्दों पर अभी तक कोई एक्शन की बात सामने नहीं आई है। क्योंकि सीएम अशोक गहलोत इस मूड में नहीं है। ऐसे में कोई जांच कमेटी बनाने तक मामला सीमित रह सकता है। अब गहलोत अपनी तरफ से कार्रवाई का विवरण हाईकमान तक भेजेंगे या फिर हाईकमान ही उन्हें कार्रवाई के निर्देश जारी करेगा? इसका जवाब जल्द ही दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद मिल सकता है।

गहलोत जी झूठ तो आप बोल रहे हैं : शेखावत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उदयपुर जनसभा में कन्हैयालाल के हत्यारों की गिरफ्तारी एनआईए की ओर से किए जाने के उनके बयान को झूठा बताने पर बीजेपी ने पलटवार कर ट्वीट किया है। जिसे केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी रिट्वीट कर दिया है। बीजेपी ने ट्वीट कर लिखा है कि झूठ बोलना तो आपका काम ही है गहलोत जी, पांच साल से वही कर रहे हैं आप। गृह मंत्री अमित शाह ने जो कहा वो सही कहा और ये रहा इसका सबूत। वोटबैंक के कारण आपने कन्हैयालाल को सुरक्षा नहीं दी, उसकी जांच के लिए स्पेशल कोर्ट नहीं बनाया और गिरफ्तारी एनआईए ने की, इसमें गलत क्या है?

महाराष्ट्र के सीमावर्ती गांव को तेलंगाना में मिलाएं : केसीआर

» कांग्रेस पर साधा निशाना

» बीआरएस सत्ता में वापसी करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना सीएम चंद्रशेखर राव (केसीआर) पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार में जुटे हैं। केसीआर की नजर पड़ोसी राज्य महाराट्र पर है, जहां वे लगातार पार्टी की रैलियां कर रहे हैं, जिनमें लोगों की भीड़ पहुंच रही है। उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाके के कुछ गांव तेलंगाना में शामिल होने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा इन गांवों का तेलंगाना में विलय कर दें या फिर दक्षिणी राज्य में लागू कल्याणकारी योजनाएं उनके क्षेत्र में भी लागू करें।

केसीआर ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बीआरएस का भव्य स्वागत कर रहे हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राव ने कहा कि 'धारणी' के समाप्त करने से एक बार फिर व्यवस्था में बिचौलियों की वापसी होगी। कांग्रेस ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आएगी तो राज्य सरकार के एकीकृत भूमि प्रबंधन प्रणाल 'धारणी' को बंद कर देगी। केसीआर ने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विस चुनावों के बाद बीआरएस सत्ता में वापसी करेगी।

21वीं सदी में आत्मसम्मान से समझौता नहीं

» सिंधिया बोले- समाज के सभी लोगों को मिले समान अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अशोकनगर। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अलग-अलग समाज के सम्मेलन में शामिल हुए। सिंधिया को सबसे पहले ईसागढ़ के केवट समाज के सम्मेलन में शामिल हुए। इसके बाद अशोकनगर में कुशवाह समाज सम्मेलन में शामिल और कारबवही रघुवंशी समाज के सम्मेलन में भी शामिल हुए। मुंगावली तहसील के मोला डेम के पास नायक समाज सम्मेलन में भी उन्होंने शिरकत की। केवट समाज के सम्मेलन में सम्मिलित होने पर मंत्री सिंधिया ने कहा कि केवट समाज का वर्णन रामायण से लेकर आज तक किया गया है। साथ ही सिंधिया परिवार का साथ देने के लिए उनका काफी योगदान होना बताया है।

इस मौके पर केवट समाज के लोगों द्वारा सिंधिया का जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। वहीं, कुशवाह समाज सम्मेलन में सिंधिया ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि इस कार्यक्रम में महापुरुषों की तस्वीर नहीं लगाई गई है, जबकि सभी समाजों ने कई बातें समाज पर की है, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले कुशवाहा समाज के पूर्वज हैं। आने वाली पीढ़ी को उनके पद चिन्हों पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं, ज्योतिरादित्य सिंधिया रघुवंशी समाज के सम्मेलन में शामिल हुए। रघुवंशी समाज के युवा अध्यक्ष को सिंधिया ने आने वाले विधानसभा चुनाव में चंदेरी से टिकट दिए जाने की बात कही। ज्योतिरादित्य सिंधिया के द्वारा रघुवंशी समाज सम्मेलन में कहा गया कि राजनीति में छुरी वाले बहुत लोग हैं, मैं उस व्यक्ति का नाम नहीं लूंगा।

केजरीवाल -मान ने डाला डेरा

सीएम अरविंद केजरीवाल और सीएम भगवंत मान के दौरे को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता की टीम ग्वालियर में डेरा डाल ली है। आम आदमी पार्टी का दावा है कि केजरीवाल की आमसभा में पूरे प्रदेश भर से एक लाख लोग शामिल होने वाले हैं। सीएम केजरीवाल के दौरे को लेकर शुक्रवार को प्रदेश चुनाव प्रभारी बीएचयू और प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल सहित तमाम दिल्ली से आप पार्टी के वरिष्ठ नेता ग्वालियर पहुंचे। प्रदेश चुनाव प्रभारी बीएस जून ने कहा कि पहली बार ग्वालियर में सीएम अरविंद केजरीवाल का दौरा है। इसको लेकर आप पार्टी के कार्यकर्ताओं और यहां की जनता में काफी उत्साह है। क्योंकि सीएम अरविंद केजरीवाल को लोग सुनना चाहते हैं। यही कारण है कि अबकी बार मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी को जनता का समर्थन मिल रहा है।

जनता से माफी मांगे एलजी : आप

» टैक्स से मिल रहीं सारी सुविधाएं छोड़ें उपराज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को मुफ्त की चीजों की आदत पड़ने के बयान पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर पलटवार किया। आप ने कहा कि उपराज्यपाल को केजरीवाल सरकार से दिल्ली की जनता को मिल रहीं मुफ्त सुविधाओं से इतनी दिक्कत है तो फिर उन्हें जनता के टैक्स के पैसों से मिल रहीं सारी सुविधाएं तत्काल छोड़ देनी चाहिए। उन्हें हर माह 3-4 हजार यूनिट बिजली, नौकर, स्टाफ, गाड़ी मिलती है। लिहाजा दिल्ली की जनता का अपमान करने के लिए उपराज्यपाल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

आप की मुख्य प्रवक्तता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि उपराज्यपाल दिल्ली के बाहर के रहने वाले हैं इसलिए जनता को बदनाम करने की कोशिश में लगे हुए हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि दिल्ली के लोगों में अपनापन नहीं है और फिर 29 जून को दिल्ली की जनता को मुफ्तखोर बता दिया। यह दिल्ली के लोगों का अपमान है। जनता ने केंद्र सरकार को वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1.78 लाख करोड़ टैक्स दिया है। इतना ज्यादा टैक्स देने के बाद भी केंद्र से दिल्ली की जनता को मिलने वाला हिस्सा केवल 325 करोड़ है। उन्होंने कहा कि फाइनेंस कमीशन के हिसाब से 485 रुपये प्रति व्यक्ति स्थानीय निकायों को मिलना चाहिए, लेकिन इसमें केंद्र दिल्ली को एक रुपया नहीं देती है। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग के अधिकार को लेकर केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। आप ने याचिका दायर कर कहा कि अध्यादेश पर तत्काल रोक लगाई जाए। यह अध्यादेश असंवैधानिक है। आप ने कहा था कि केंद्र द्वारा लाया गया काला अध्यादेश न केवल दिल्ली की निर्वाचिक सरकार के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनना है। बल्कि यह लोकतंत्र और संवैधानिक सिद्धांतों के लिए भी खतरा बनेगा।

दिल्ली सरकार सुप्रीम चौखट पर

मंत्रियों के साथ अध्यादेश की प्रतियां जलाएंगे केजरीवाल : भारद्वाज

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार के अध्यादेश की प्रतियां जलाने का ऐलान किया है। इसकी शुरुआत वह अपने मुख्यालय से करेंगी। यहां पर सोमवार को मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों के साथ अध्यादेश की प्रति जलाएंगे। इसके बाद पांच जुलाई को सभी विधानसभा क्षेत्रों और 6-13 जुलाई तक गली-मोहल्लों व चौक पर प्रतियां जलाई जाएंगी। यह जानकारी आप के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग इस काले अध्यादेश से खुश नहीं हैं और केंद्र सरकार ने दिल्ली के साथ धोखा किया है। इससे दिल्लीवाले नाराज हैं। उपराज्यपाल के माध्यम से भाजपा असांविधानिक तरीके से दिल्ली पर कब्जा करना चाहती है। दरअसल दिल्ली की जनता ने पहली बार 2013 में अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री चुना। इसके बाद 2015 में दोबारा 70 में से 68 सीटें देकर और 2020 में तीसरी बार 70 में से 62 सीटें देकर दिल्ली वालों ने केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री चुना। तीनों चुनाव में करारी हार का अब भाजपा और केंद्र सरकार दिल्लीवालों से बदला लेना चाहती है।

राजस्थान-मप्र और छत्तीसगढ़ में बिछने लगी सियासी बिसात

- भाजपा-कांग्रेस ने शुरू की तैयारी
- विरोधियों को घेरने की होगी कोशिश
- बागियों को समझाने की भी कोशिश तेज
- मप्र से भाजपा के नेता बनेंगे केंद्रीय मंत्री!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट बढ़ती जा रही है इन राज्यों में सियासी गर्माहट भी तेजी ले रही है। दोनों बड़े दलों भाजपा व कांग्रेस में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिये हैं। इन राज्यों में संगठन व सरकार में चेहरे बदलने की रणनीति भी चालू हो गई। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने सरकार केअपने वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाकर वहां पर सीएम भूपेश बघेल से मतभेद को दूर करने की कोशिश तो कि ही है साथ ही दुबारा वहां पर सत्ता में आने की भी तैयारी की है।

वहीं मध्यप्रदेश में कांग्रेस कमलनाथ व दिग्विजय को आगे करके भाजपा की शिवराज सरकार को घेरने की हरमुमकिन कोशिश करती है। हालांकि भाजपा भी वहां पर अपनी सत्ता को बरकरार रखने लिए कुछ नेताओं कों संगठन व कुछ को सरकार में लाने की प्रक्रिया में लगी हुई है। उधर राजस्थान में अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच खटपट को दूर करके कांग्रेस भाजपा पर वार कर कुर्सी को बचाने की फिराक में लग गई है।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा हर वर्ग को साधने में जुटी है। इसी बीच, केंद्रीय कैबिनेट के विस्तार की अटकलों के बीच मध्य प्रदेश से कुछ नेताओं को जगह मिलने और कुछ को वापस भेजकर संगठन की जिम्मेदारी देने की चर्चा तेज हो गई है। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को बनाए रखने की कोशिश होगी। प्रदेश से अभी केंद्र में नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रह्लाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र खटीक ये पांच मंत्री हैं। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एल. मुरुगन भी मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य हैं, लेकिन वे यहां के रहने वाले नहीं हैं। इनको मिलने पर मप्र से केंद्र में मंत्रियों की संख्या सात है। प्रदेश के ग्वालियर, चंबल से दो मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं। वहीं, बुंदेलखड से प्रह्लाद पटेल और वीरेंद्र खटीक मंत्री हैं। इसके अलावा महाकौशल से फग्गन सिंह कुलस्ते मंत्री हैं। कैबिनेट के विस्तार की अटकलों के साथ प्रदेश में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण साध कर प्रदेश से दो नए चेहरों को मौका मिलने की चर्चा तेज हो गई है। वहीं, एक मंत्री को संगठन में लाया जा सकता है।

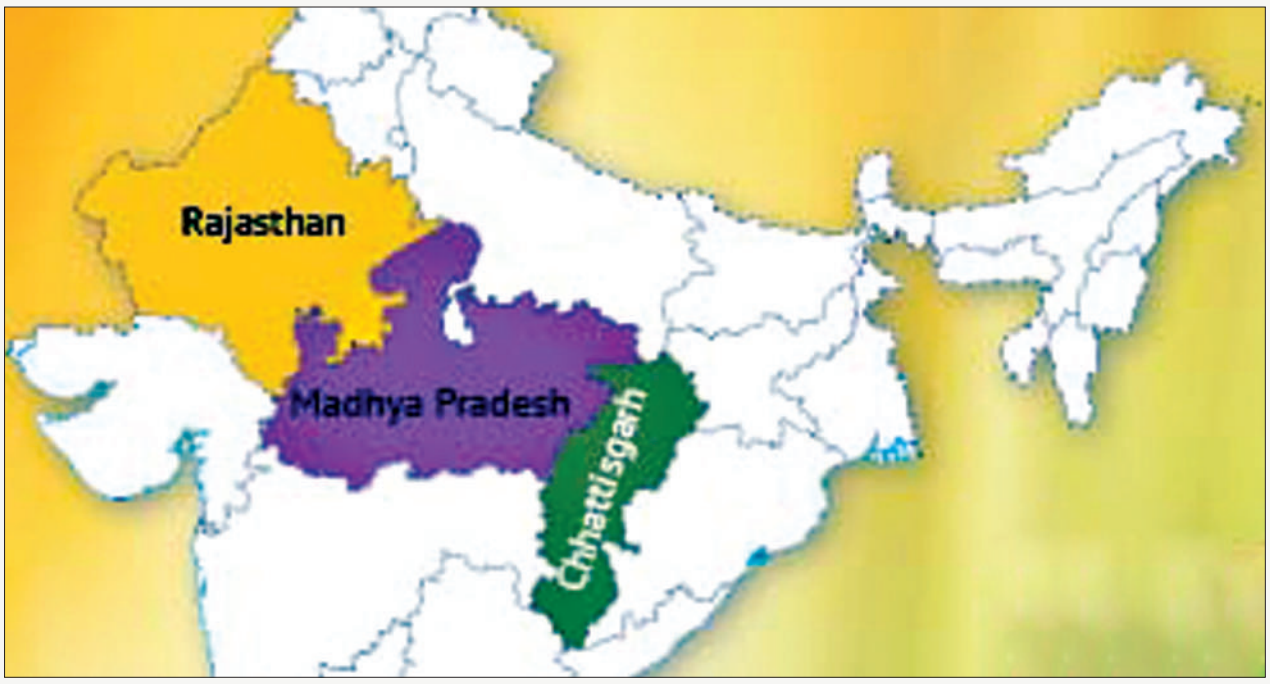

मेवाड़ की 8 विधानसभा सीटों पर नजर

शाह की सभा में उदयपुर संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों उदयपुर शहर, उदयपुर ग्रामीण, वल्लभनगर, मावली, झाड़ोल, सलूंबर, खेरवाड़ा व गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ता आए थे। इसमें विधानसभा वार विधायक, विधानसभा प्रभारी व संगठन के पदाधिकारियों को जिम्मा दिया गया था।

विंध्य व महाकौशल में भाजपा को मिल रही कांग्रेस से टक्कर

जानकारों का कहना कि भाजपा महाकौशल में कमजोर है। वहां पर कांग्रेस की मजबूत है। भाजपा को हर मोड़ पर वहां कांग्रेसी नेताओं से टक्कर मिल रही है। वहीं, विंध्य की अनदेखी करने से भी भाजपा से जनता नाराज है। इसके लिए प्रदेश के साथ ही केंद्रीय नेतृत्व विंध्य और महाकौशल में जोर लगा रहा है। ऐसे में चर्चा है कि प्रदेश में बुंदेलखंड से मंत्री ओबीसी सांसद प्रह्लाद पटेल, अनुसूचित जाति सांसद वीरेंद्र खटीक में से किसी एक को हटाया जा सकता है। यदि प्रहलाद पटेल को हटाया जाता है तो उनको संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इनकी जगह पर विंध्य से सांसद गणेश सिंह या देवास से सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को संगठन में लिया जा सकता है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि महाकौशल से राकेश सिंह को भी केंद्र में जगह मिल सकती है। हालांकि, यहां से अभी फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय कैबिनेट में शामिल हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद धर्मेंद्र प्रधान को भी वापस भेजने की चर्चा है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व महाकौशल में बिगड़े समीकरण को साधने में जुटा हुआ है। यही वजह है कि हाल में केंद्रीय मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आए। इसके बाद उनको बालाघाट दौरा था, लेकिन खराब मौसम की वजह से वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। यहां पर पार्टी आदिवासी वोट बैंक को साधने पर जोर लगा रही है। यहां पर पार्टी नगर निगम का चुनाव हार गई है। वहीं, क्षेत्र को प्रदेश सरकार में भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से जनता नाराज है। विंध्य में पार्टी को भले ही पिछली बार से ज्यादा सीटें मिली हों, लेकिन अब भाजपा की स्थिति ठीक नहीं है। सिंगरौली नगर निगम में आम आदमी पार्टी ने महापौर का चुनाव जीत लिया। भाजपा के सर्वे में भी यहां पर रिपोर्ट अच्छी नहीं मिली थी। यही वजह है कि पार्टी का फोकस अब क्षेत्र के मतदाताओं को साधने पर है।

सिंहदेव को डिप्टी सीएम बना भूपेश के अधिकारों में कटौती की : भाजपा

छत्तीसगढ़ में हुए सियासी घटनाक्र म को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। टीएस सिंहदेव को प्रदेश का उप मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि, चला चली की बेला में चार महीने की सरकार बची है। ऐसा करके कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भूपेश बघेल के अधिकारों में कटौती की है। प्रदेश अध्यक्ष साव गुरुवार को बिलासपुर में मीडिया से बात कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि, ताम्रध्वज साहू का भी उप मुख्यमंत्री के लिए नाम प्रचारित किया गया था। ऐसे में मंत्री ताम्रध्वज साहू की क्या गलती है, उन्हें भी उप मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया गया। कहा कि, इससे कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी संघर्ष के दौर से गुजर रही है। इनके नेताओं में झगड़े चल रहे हैं। पहले पीसीसी चीफ को सैलजा ने आईना दिखाया। अब कांग्रेस ने भूपेश बघेल को दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि, आगे छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस को आईना दिखाएगी। जनता ने तय कर लिया है कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना है। अब जबकि चार महीने की सरकार बची है, तो कांग्रेस नई-नई नियुक्तियां कर रही है। यह बाताता है कि कांग्रेस कितनी डरी हुई और घबराई हुई है, लेकिन इससे पार्टी को कोई लाभ नहीं होने वाला है। इससे कांग्रेस की अंर्तकलह बढ़ेगी। जनता साढ़े चार साल से उनके झगड़े को भोग रही है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसी राजनीति नही करनी चाहिए : गहलोत

यह उम्मीद की जाती है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति नहीं करेंगे, लेकिन आज उदयपुर में गृहमंत्री अमित शाह ने जो किया वह एक गैर जिम्मेदाराना कार्य है। गहलोत ने कहा कि ये दोनों हत्यारे भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उन्हें ये जांच करवानी चाहिए कि इन दोनों के मददगार कौन भाजपा नेता थे जो इनके लिए पुलिस थानों में फोन करते थे। एक ओपन एंड शट केस में चार्जशीट फाइल होने में भी इतना अधिक समय क्यों लगा और इन्हें अब तक सजा क्यों नहीं हुई?

गहलोत सरकार भ्रष्टाचार में नंबर वन : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उदयपुर दौरे में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बिना मतलब इस उम्र में इधर-उधर घूम रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश की गहलोत सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार भ्रष्टाचार में नंबर वन है। सभी भ्रष्टाचारी एक जगह इक्टठा हो गए हैं। हमारी सरकार पर अभी तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नौ साल में देश को सुरक्षित किया है। मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान पाकिस्तान से रोजना हमल होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने पाक को घर में घुसकर मारा। आज देश में आतंकी हमलों पर रोक लगी है। अमित शाह ने कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भी गहलोत सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार तो कन्हैयालाल के हत्यारों को

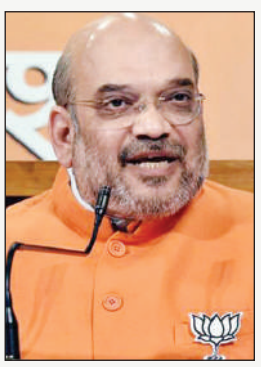

पकड़ना ही नहीं चाहती थी। एनआईए ने कन्हैयालाल के हत्यारों को पकड़ा है। शाह ने कहा कि गहलोत सरकार प्रदेश में वोट बैंक की राजनीति करती है। इससे पहले, जनसभा में जब नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अमित शाह को भाषण के लिए बुलाया तो उन्होंने इशारा कर वसुंधरा राजे को बोलने के लिए कहा। अमित शाह के कहने पर वसुंधरा ने भाषण दिया। वसुंधरा से पहले प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाषण दिया था, इसके बाद सीधे अमित शाह के भाषण का कार्यक्रम था। शाह के इस कदम के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उदयपुर में हुई सभा में जब मंच से नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने शाह के संबोधन का ऐलान किया तो शाह ने खुद से पहले पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संबोधन करवाया। इसके बाद उन्होंने वसुंधरा से बातचीत भी की, दोनों नेताओं की इस बॉडी लैंग्वेज के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर फ्रांस में क्यों भड़की हिंसा

दरअसल, फ्रांस में ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस द्वारा 17 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या करने के मामले में देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। अभी तक 600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच फांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाईलेवल इमरजेंसी मीटिंग बुला ली है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने कहा है कि सरकार व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें आपातकाल की घोषित करना भी शामिल है।

फ्रांस में भड़की हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच फ्रांसीसी सरकार ने हालात से निपटने के लिए हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री ने कहा है कि इस दौरान आपातकाल लगाने से लेकर हर तरह के पहलुओं पर विचार किया जाएगा। हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित पेरिस शहर में स्पेशल पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। इस तरह की घटनाएं किसी भी देश की साख को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में उस देश के लीडरशीप की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाएं वे रोंके। फ्रांस एक विकसित राष्ट्र है। इस तरह की वारदात से विकासशील देशों पर भी गहरा असर होता है। दरअसल, फ्रांस में ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस द्वारा 17 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या करने के मामले में देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। अभी तक 600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाईलेवल इमरजेंसी मीटिंग बुला ली है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने कहा है कि सरकार व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें आपातकाल की घोषित करना भी शामिल है। बीएफएमटीवी ने पेरिस पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि उनमें से आधे से अधिक गिरफ्तारियां पेरिस क्षेत्र में हुईं। हिंसा रोकने में मदद के लिए विशेष पुलिस बल को बोर्डो, ल्योन, रूबैक्स, मार्सेल और लिली शहरों में तैनात किया गया। पेरिस के एक उपनगर नानटेयर में नाहेल एम को मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी ने गोली मार दी थी। नाहेल ने ट्रैफिक पुलिस पर रुकने से इनकार कर दिया था और गाड़ी चला कर भागने लगा, जब पुलिस ने गोली मारी। नानटेयर से प्राप्त फुटेज के अनुसार, जलते हुए मलबे के बीच, नैनटेयर में एक दीवार पर नाहेल के लिए बदला पेंट किया हुआ दिखाई दिया। नानटेयर में एक बैंक में भी आग लगा दी गई और लड़के की याद में आयोजित मार्च के हिंसक हो जाने के बाद पुलिस ने 15 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। इस बीच, सीएनएन ने एक रिपोर्ट में बीएफएमटीवी के हवाले से कहा कि मार्सेल में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर बम फेंके। उत्तरी शहर लिली के विडीयो में सड़कों पर आग जलती हुई और दंगा करने वाले पुलिस अधिकारियों को भागते हुए देखा गया है। क्षेत्रीय प्राधिकारी ने कहा कि लिली में अधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के बाद छह लोगों को पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस तरह की हिंसा किसी देश नहीं होना चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पौराणिक पात्रों की मर्यादा व संवेदनशीलता का प्रश्न

डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में रिलीज फिल्म आदिपुरुष के कुछ आपत्तिजनक संवादों के मामले में लगाई गई याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सेंसर बोर्ड से कड़े स्वर में सवाल किया कि 'सेंसर बोर्ड क्या करता रहता है? आप आने वाली पीढ़ियों को क्या सिखाना चाहते हैं?' इतना ही नहीं , हाईकोर्ट ने यह भी पूछा कि धार्मिक ग्रंथोंविवादित फिल्में बनायी ही क्यों जाती हैं, जो लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदिपुरुष के निर्माताओं और सेंसर बोर्ड को फटकार लगाते हुए कहा है कि धार्मिक ग्रंथों को बख्श दें। न्यायालय ने रेखांकित करने वाली यह बात भी कही कि हिंदुओं की सहिष्णुता के कारण ही चीजें फिल्मकारों की भयंकर भूलों के बाद भी विद्रूप रूप नहीं लेती हैं।

ऐसे में हर बार उनकी ही परीक्षा क्यों ली जाती है? न्यायालय ने चेताया है कि पौराणिक पात्रों का मन मुताबिक चित्रण न केवल लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला है बल्कि समाज में वैमनस्य भी बढ़ाता है। गौरतलब है कि आदिपुरुष पहली झलक सामने आने के समय से ही विवादों में घिरी रही है। शुरुआत से ही आमजन की आलोचना और आक्रोश के चलते न केवल फिल्म के प्रदर्शन की तारीख को टाल दिया गया बल्कि आपत्तिजनक बातों, दृश्यों, परिधानों और चरित्रों के हावभाव को लेकर बदलाव का भरोसा भी दिया गया। बावजूद इसके यह फिल्म जून में सिनेमाई पर्दे पर उतरी तो दर्शकों को निराशा ही हाथ लगी। आस्था के नाम पर छले जाने की यह साझी अनुभूति सोशल मीडिया से लेकर आम परिवेश तक चर्चा का विषय बनी। हर भारतीय की आदिपुरुष टैग के साथ पर्दे पर उतारी गई यह फिल्म असल में हर भारतीय के मन को ठेस पहुंचाने वाला सिनेमा साबित हुई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के चरित्र से लेकर रावण की भूमिका के महिमामंडन और अभद्र संवादों को सुनकर दर्शक व्यथित-विचलित हुए बिना नहीं रह सके। सिनेमाघरों में पहुंचे दर्शक रामभक्त हनुमान के संवादों की भाषा सुनकर तो सकते में ही आ गए।

संवादों की भाषा पर विवाद और फिल्म के बहिष्कार की मांग के बाद निर्माताओं ने इन संवादों को बदलने को कहा है पर दुखद पक्ष यह कि संवाद लेखक मनोज मुंतशिर ने इन अजीबो-गरीब शब्दों का प्रयोग जान-बूझकर किए जाने की बात कही। पात्रों की बातचीत की इस भाषा को नई पीढ़ी से जोड़ने का उपक्रम बताया। विचारणीय है कि जन-

जन की आस्था से जुड़ी प्रभु राम की कहानी कोई नए प्रयोग करने का विषय नहीं है। भले ही संवाद लेखक ने ऐसी प्रयोगात्मक भाषा को नई पीढ़ी से जोड़ने वाला बताया हो, लेकिन इसी कहानी के माध्यम से नई पीढ़ी को मर्यादित भाषा का पाठ भी पढ़ा सकते थे। सम्बन्धों को सहेजने की सीख दे सकते थे। अफसोस कि सिनेमा निर्माण में लगाई समझ ठीक इससे विपरीत नजर आती है। किसी काल्पनिक कहानी की तरह मनमर्जी से प्रस्तुत किए गए पात्र और उनकी भाषा नई पी ?ी तक रामायण के मर्यादित और सदैव स्मरणीय चरित्रों का अलग ही प्रस्तुतीकरण पहुंचाती है। जो कि धार्मिक और सांस्कृतिक विश्वास के साथ इरादतन खिलवा? करने जैसा लगता है। यही वजह है कि इसका देशभर में एक सुर में विरोध किया गया। आम जनता ने भी फिल्म में मौजूद तथ्यात्मक गलतियों और अमर्यादित शब्दों को गंभीरता से लिया। परिणामस्वरूप रिलीज के तीसरे ही दिन से यह फिल्म कमाई के मोर्चे पर पिछड़ने लगी। तकनीक के तड़के और कुछ नया करने के नाम पर 600 करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म दर्शकों के मन को छूने में तो विफल रही ही, निर्माताओं की आशा के अनुरूप आर्थिक मोर्चे पर भी सफलता के झंडे नहीं गाड़ सकी। कल्पनाशीलता के नाम पर दैवीय चरित्रों की अभिकल्पना का यह स्तर दर्शकों द्वारा भी नकार दिया गया। दरअसल, रामायण का अर्थ ही है मर्यादित आचरण और मानवीय विचार। यह धार्मिक ग्रंथ भारतीयों के मन-जीवन में आस्था को पोसने वाली संजीवनी रहा है। ऐसे में भद्दे और अजीब से कंप्यूटर ग्राफिक, किरदारों के स्तरहीन संवाद और परिधानों के चयन के मामले में फिल्म को समाज के एक बड़े वर्ग की भावनाएं आहत करने वाला ही कहा जाएगा। फिल्मी पर्दे पर उतारे गए चरित्रों का प्रभाव वर्तमान और आगामी पीढ़ियों पर भी पड़ता है। धर्म-संस्कृति आधारित फिल्मों के कथानक और प्रस्तुतीकरण को हल्के में नहीं लिया जा सकता। फिल्म निर्माताओं को भी समझना चाहिए कि पौराणिक चरित्रों के चित्रण में कोई छूट नहीं मिल सकती।

ऐसे में पहले टीजर के समय ही विरोध जताए जाने के बावजूद संवादों को उचित ठहराने के कुतर्क अब सोचा समझा षड्यंत्र ही लगते हैं। जन-जन के मन में बसी मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कथा में ऐसी गलतियां अनजाने में नहीं हो सकतीं। कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म आदिपुरुष व्यावसायिक हित साधने के नाम पर धार्मिक आस्था से खिलवाड़ करने का उदाहरण साबित हुई है। पटकथा के मूल में ही असहज करने वाले भावों को स्थान देने की गलती आमजन को पीढ़ा पहुंचाने वाली है। सदा-सदा से मर्यादित मार्ग सुझाने वाले पात्रों की भाव-भंगिमा और संवादों का यह दूषित प्रदर्शन सिनेमाई कला संसार से भी भरोसा कम करने वाला है। सभ्य भाषा और संवेदनशील हाव-भाव के लिए जनमानस में बसे इन आदर्श चरित्रों की बेमेल प्रस्तुति हमारी पौराणिक और सांस्कृतिक विरासत को धूमिल करने वाली है। निस्संदेह, श्रद्धा और समर्पण की शिक्षा देने वाले ग्रंथ रामायण का यह विकृत सिनेमाई रूप किसी भी पीढ़ी के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता।

असहमत होने से पहले गांधी को समझना जरूरी

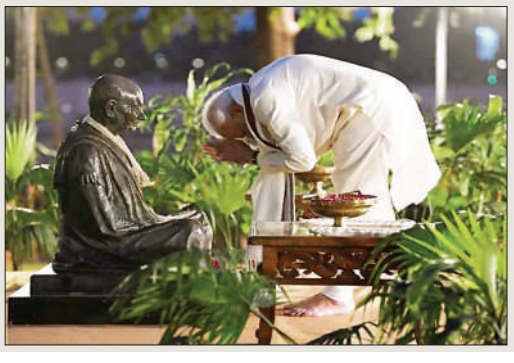

विश्वनाथ सचदेव

वह भारतीय जनता पार्टी के प्रखर वक्ता भी हैं और नेता भी। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य भी बनाया था। उस दिन एक टीवी चैनल की बहस में उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की थी कि महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा जाता है! उनका तर्क था कि भारत माता% का पिता कोई कैसे हो सकता है? उन्हें इस बात पर भी ऐतराज़ था कि हमारे संविधान में राष्ट्रपिता शब्द का उल्लेख न होने के बावजूद किसी को यह पदवी कोई कैसे दे सकता है? और जब भाजपा के यह प्रवक्ता टीवी चैनल पर यह सब कह रहे थे तो सात समंदर पार अमेरिका में हमारे प्रधानमंत्री महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ा रहे थे, प्रतिमा के सामने शीश झुका रहे थे। इस दृश्य को देखने वालों ने यह भी देखा होगा कि राष्ट्रपिता के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री प्रतिमा को पीठ दिखा कर वहां से नहीं हटे थे- जैसे मंदिर में आराध्य की प्रतिमा को प्रणाम करके एक-एक कदम पीछे हटाते हुए हटा जाता है, ठीक वैसे ही प्रधानमंत्री राष्ट्रपिता की प्रतिमा से हटे थे।

जब-जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश गये हैं, और जब-जब उन्हें अवसर मिला है उन्होंने इस बात को रेखांकित करना ज़रूरी समझा है कि भारत बुद्ध और गांधी का देश है। सच कहें तो विदेशों में गांधी भारत की पहचान का नाम है। सारी दुनिया इस पहचान को स्वीकारती-सराहती है। यह कोई संयोग नहीं है कि दुनिया के 141 देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं लगा कर, या फिर प्रमुख मार्गों को उनका नाम देकर भारत के राष्ट्रपिता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की है! दुनिया यह भी जानती है कि गांधी जी के निधन पर आइंस्टाइन जैसे महान वैज्ञानिक-दार्शनिक ने कहा था, 'आने वाली पीढ़ियां विश्वास नहीं करेंगी कि कभी इस धरती पर गांधी जैसा हाड-मांस का पुतला सचमुच में था।'

यह कतई ज़रूरी नहीं है कि महात्मा गांधी की हर बात को स्वीकारा जाये। असहमति हो सकती है उनकी किसी बात से, नेहरू, पटेल, सुभाष जैसे उनके शिष्य भी कई बातों पर गांधी से असहमत हुआ करते थे। वैचारिक असहमति अवमानना नहीं होती। गांधी तो स्वयं कई बार अपने आप से असहमत हुआ करते थे। सत्य के प्रयोग कहते थे वह अपनी कार्य-विधि को। वे कहा करते थे, जो मैं आज कह रहा हूं वह मेरे आज का सच है, हो सकता है कि कल मुझे कोई बेहतर बात समझ में आ जाये। गांधी की इस बात के अर्थ और महत्व को दुनिया ने समझा है, इसीलिए दुनिया भर में गांधी के विचारों को लेकर एक सम्मान का भाव है।

गांधी ने कभी नहीं कहा कि उन्होंने देश को आजाद कराया था। सच बात तो यह है कि उन्होंने देश को, और दुनिया को आजाद होने का मतलब समझाया था। आज़ादी की लड़ाई का एक तरीका सिखाया था उन्होंने हमें। और भी तरीके हो सकते हैं इस लड़ाई के, पर वे कहते थे, मेरा तरीका मुझे बेहतर लगता है। वे जीवन भर अपने तरीके पर चलते रहे। आज भी दुनिया उनके बताये तरीके को जानने-समझने का प्रयास करती दिखती है। इसलिए गांधी महान हैं। गांधी की महानता को देख-समझ कर ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें राष्ट्रपिता कहा था। हां, महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता संबोधन सबसे पहले सुभाष चंद्र बोस ने ही दिया था। गांधी और सुभाष के वैचारिक मतभेद किसी से छिपे नहीं है, इसके बावजूद यदि सुभाष गांधीजी को राष्ट्रपिता समझते थे, तो यह इन दोनों महापुरुषों की महानता का ही परिचायक है। वैचारिक मतभेद का मतलब किसी को कमतर आंकना नहीं होता। और वैचारिक मतभेद व्यक्त करने का तरीका भी वह नहीं होता जो भाजपा के उस प्रवक्ता ने अपनाया था, जिसकी चर्चा मैंने प्रारंभ में की थी।

यह दुर्भाग्य ही है कि आज देश में कुछ तत्व ऐसे हैं जो गांधी के प्रति अपनी असहमति को प्रकट करने के लिए गोडसे का सहारा लेते हैं। नाथूराम गोडसे ने गांधी की हत्या की थी, गांधी के विचारों की नहीं। सच कहें तो गांधी के विचारों की हत्या हो भी नहीं सकती। विचार पिस्तौल की गोली से नहीं मरते, विचार का मुकाबला विचार से ही हो सकता है, विचार से ही होना चाहिए। इस बात के मर्म को समझे बिना यह समझना संभव नहीं कि सुभाष चंद्र बोस ने गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा था, और आज सारी दुनिया गांधी को जानने-समझने की आवश्यकता क्यों महसूस कर रही है।

गांधी ने जो कहा, जो किया उसे समझना हमारे आज की आवश्यकता ही नहीं, हमारे आने वाले कल की भी आवश्यकता है। इसीलिए स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गांधी से परिचित कराना ज़रूरी है। इसीलिए, तब हैरानी होती है जब पता चलता है राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इतिहास की पुस्तकों से गांधी-हत्या के प्रकरण को हटाने का निर्णय किया है। गांधी पर पर्दा डालकर गांधी के अस्तित्व को नहीं नकारा जा सकता। जैसे पिस्तौल की गोलियों से कोई गांधी नहीं मर सकता, वैसे ही गांधी को समझने की कोशिशों के महत्व को भी नहीं नकारा जा सकता। बच्चों को गांधी के विचारों से परिचित कराना ऐसी ही एक कोशिश है। गांधी से असहमत होने से पहले उन्हें समझना ज़रूरी है। दुर्भाग्य से, उन्हें समझने की कोशिशों के बजाय उन्हें समझने के रास्तों को बंद किया जा रहा है! कुछ अर्सा पहले, शायद उत्तर प्रदेश ?में एक महिला नेता ने गांधी के पुतले पर गोलियां चलाकर अपनी असहमति प्रकट की थी। आज गोडसे की पूजा करके भी ऐसी ही कोशिश की जा रही है। गांधी को नकारने के लिए गांधी से बड़ी लकीर खींचने की आवश्यकता है।

नमक और चीनी दोनों हानिकारक

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक नमक और चीनी दोनों ही रक्तचाप (बीपी) को बढ़ाने से संबंधित हैं। विभिन्न अध्ययनों ने लगातार दिखाया है कि नमक बढ़े हुए ब्लड प्रेशर का एक प्रमुख कारण है। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए फिनलैंड और यूके जैसे देशों ने नमक का सेवन कम कर दिया है। हालांकि सिर्फ इतना ही काफी नहीं है, नमक कम करने के बाद भी अगर आप अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करते हैं, तो खतरा टला नहीं है। चीनी के अधिक सेवन से मोटापा बढ़ता है, जो ब्लड प्रेशर बढ़ाने का प्रमुख कारण है। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि ऐडेड शुगर, विशेष रूप से सॉफ्ट ड्रिंक्स के अधिक सेवन से भी ब्लड प्रेशर पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। आइए चीनी से होने वाले अन्य दुष्प्रभावों के बारे में जानते हैं।

सिर्फ नमक ही नहीं, चीनी भी बढ़ा सकती है ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती उन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से हैं, जिनके शिकार कम उम्र के लोग भी देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये दोनों बीमारियां पूरे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती हैं, अगर इनपर ध्यान न दिया जाए तो इनके कारण मृत्यु का खतरा भी अधिक हो सकता है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को इसका प्रमुख कारण माना जाता रहा है। ब्लड प्रेशर बढ़ने के लिए अधिक मात्रा में सोडियम और डायबिटीज के लिए अधिक मात्रा में चीनी के सेवन को नुकसानदायक पाया गया है। पर क्या आप जानते हैं कि अगर आप चीनी अधिक खाते हैं तो इसके कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है? चीनी को सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ाने तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ने का खतरा रहता है।

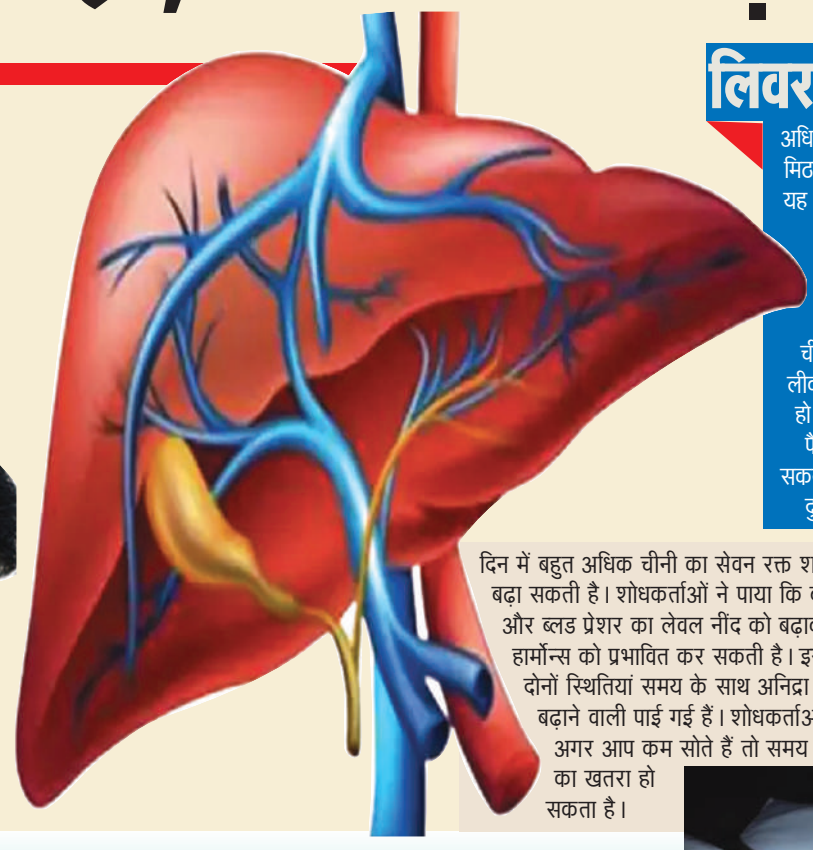

लिवर में फैट की समस्या

अधिकांश पैकेज्ड खाद्य पदार्थ-स्नैक्स में मिठास का कारण फ्रुक्टोज से होता है, यह शुगर का ही एक प्रकार है। हालांकि अध्ययनों में इसे लिवर में फैट को बढ़ाने वाला पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यदि आप नियमित रूप से फ्रूक्टोज वाली चीजों का सेवन करते हैं, तो आपके लीवर में फैट की छोटी-छोटी बूंदें जमा हो जाती हैं। इससे नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। कुछ स्थितियों में इसके गंभीर दुष्प्रभावों का भी जोखिम रहता है।

नींद हो सकती है डिस्टर्ब

दिन में बहुत अधिक चीनी का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि बढ़ा हुआ शुगर और ब्लड प्रेशर का लेवल नींद को बढ़ावा देने वाले हार्मोन्स को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा ये दोनों स्थितियां समय के साथ अनिद्रा के जोखिमों को बढ़ाने वाली पाई गई हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर आप कम सोते हैं तो समय से पहले मृत्यु का खतरा हो सकता है।

हृदय के लिए भी खतरनाक

ये दिल की बीमारियों का न सिर्फ जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती हैं, साथ ही अन्य लोगों की तुलना में ऐसे लोगों में हृदय रोगों का मृत्युदर तीन गुना अधिक देखा गया है। ऐडेड शुगर चूंकि आपके रक्तचाप और मोटापे को बढ़ाते हुए देखा गया है इसलिए इससे हृदय रोगों का जोखिम अधिक हो सकता है।

हंसना मना है

एक सुंदर औरत क्रिकेट का मैच देख रही थी और चेहरे पर इंडिया के झंडे का नक्शा था, एक बजुर्ग पास आया और उसके चेहरे को चूम कर बोला कितना सुंदर है मेरा भारत?

प्लम्बर : सर, नल ठीक हो गया लेबर चार्ज 800 रुपये.. इंजीनियर : अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर : सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

ज्योतिषी : तुम्हारा नाम कविता है? कविता : जी महाराज, ज्योतिषी : रितेश तेरे पति का नाम है? कविता : जी जी महाराज ज्योतिषी : रितेश की उम्र 45 साल है? कविता : जी.. जी.. महाराज, ज्योतिषी : तेरे दो लड़के और एक लड़की है? कविता : जी.. बिलकुल सही महाराज, ज्योतिषी : बड़ा लड़का.. 18 वर्ष का है.. नाम ऋषिकांत है, कविता : हां में गर्दन हिलाती है, ज्योतिषी : लड़की 15 साल की.. नाम ऐश्वर्या है, कविता : जी.. महाराज, ज्योतिषी : सबसे छोटा लड़का है जो अभी दस साल का है.. नाम राजू है कविता : जी बिलकुल सही बता रहे हैं, ज्योतिषी : तूने कल 25 किलो गेहूं खरीदे हैं? कविता : महराज आप तो पूरे अंतरयामी हैं, ज्योतिषी : अगली बार कुंडली लाना राशन कार्ड नहीं?

कहानी | प्रेम का रिश्ता

एक बार तीन वृद्ध पुरूषों ने एक घर के बाहर रात में आसरा लिया। एक महिला अपने घर से बाहर निकली तो उसने उन तीनों वृद्ध लोगों को देखा। महिला ने कहा मैं आप लोगों को जानती तो नहीं किंतु मैं सोचती हूं कि आप भूखे हैं! कृपया अंदर आएं और कुछ खा ले। वृद्धों ने कहा हम तीनों साथ- साथ कभी किसी के घर में नहीं जाते। महिला ने जानना चाहा ऐसा क्यों? एक वृद्ध ने समझाया मेरा नाम प्रेम है, दूसरे वृद्ध का नाम सफलता है और तीसरे वृद्ध का नाम संपत्ति है। उसने आगे कहा अब आप अपने परिवार के लोगों से पूछ लें कि हम में से आप किसे अंदर बुलाना चाहेंगे। महिला ने अंदर जाकर अपने पति से बात कि उसने कहा- हम सब संपत्ति को बुलाते हैं, उसकी पत्नी ने असहमति जाहिर की तथा कहा- क्यों ना हम सफलता को बुलाएं? अंत में उनकी बेटी ने सलाह दी क्या प्रेम को बुलाना ज्यादा उचित नहीं होगा? दोनों ने ही अपनी बेटी की इच्छा का मान रखते हुए हामी भर दी। उन्होंने पूछा प्रेम कौन है? कहकर पुकारते हुए, उसे अंदर आने का आग्रह किया। जैसे ही प्रेम ने घर में प्रवेश किया संपत्ति और सफलता भी उसके पीछे- पीछे घर में आ गए। प्रेम ने मुस्कुराते हुए परिवार को कारण समझाया कि जहां प्रेम होता है, वहां सफलता और संपत्ति भी अपने आप आ जाते हैं। परंतु यदि आप संपत्ति या सफलता को बुलाते तो मैं उनके पीछे नहीं आता। जिनके परिवार में प्रेम, और शान्ति होती हैं, उन्हें सफलता और संपत्ति जरूर प्राप्त होता है।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कोई भी निर्णय बहुत ही समझदारी से लेना चाहिए क्योंकि एक गलत फैसला हमें काफी बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

7 अंतर खोजें

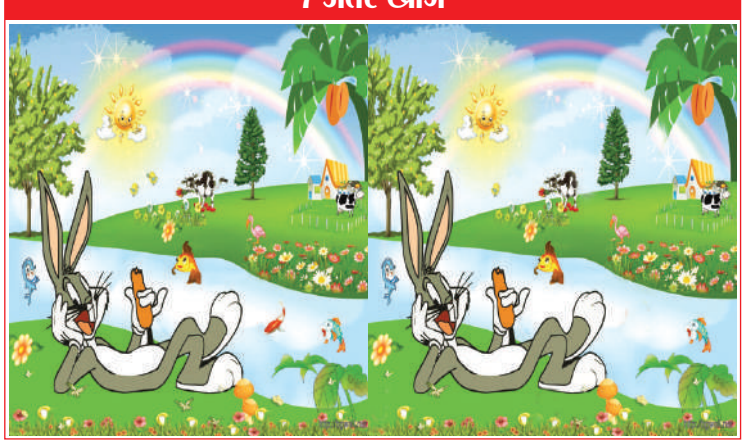

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं।

वृषभ

पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क

तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

तुला

व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

वृश्चिक

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु

नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। धन लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

मकर

भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

मीन

समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

रसिका की 'अधूरा' का ट्रेलर देख कांप जाएगी रुह

मनोरंजन के लिहाज से भारत के सबसे पसंदीदा मंच बन चुके प्राइम वीडियो ने आगामी अमेज़न ओरिजिनल सीरीज, अधूरा का ट्रेलर रिलीज किया। यह सीरीज प्राइम की पहली हिंदी सीरीज है। निखिल आडवाणी के एम्मे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और अनन्या बनर्जी और गौरव के चावला ने निर्देशित किया है।

अधूरा का ट्रेलर एक बेहद डरावनी कहानी की झलक दिखाता हैं। इसकी कहानी ऊटी के एक बोर्डिंग स्कूल के इर्द-गिर्द घूमती हैं। साल 2007 और साल 2022 ऐसे दो अलग-अलग वक्त में घटी घटनाओं के साथ आगे बढ़ती जाती हैं। अधीराज (इश्वाक सिंह) का सामना परेशान छात्र वेदांत (श्रेणिक अरोरा) से होता है, तभी से डरावनी घटनाएं शुरू हो जाती हैं। अतीत और वर्तमान के

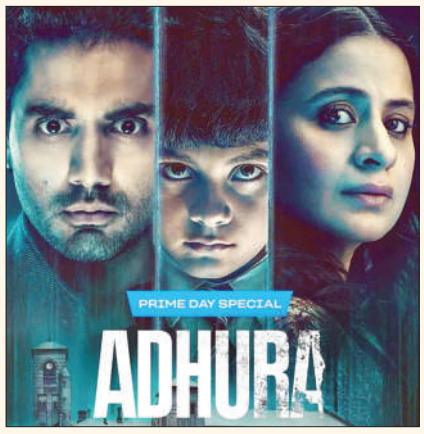

बीच की रेखा धुंधली होने लगती हैं। इससे भयानक राज से पर्दा धीरे-धीरे हटने लगता है।

इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अभिनेता इश्वाक सिंह ने कहा, अधूरा में अधीराज की भूमिका करना मेरे लिए शानदार अनुभव था। इस सीरीज की स्टोरी में अलग अलग तरह की भावनाओं को पिरोया गया है, जिससे यह कहानी और दिलचस्प बन जाती है। इस सीरीज में दर्शक एक ऐसी हॉरर स्टोरी का अनुभव करनेवाले हैं जो सुपरनैचरल दुनिया मे खींच ले जाती है और मानव मन की जटिलताओं को भी उजागर करती है। यह सीरीज देखना दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प होगा।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने कहा, एक एक्टर के रूप में, मुझे एक ऐसे व्यक्ति के किरदार को निभाने का मौका मिला, जो पूरी तरह से नियंत्रण में है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, उसे एहसास होने लगता है कि कोई भी अपने अंतर्मन के शैतानों से मुक्त नहीं है। इसलिए मैं उत्साहित थी कि सुप्रिया जैसा किरदार मेरे पास आया। एक बोर्डिंग स्कूल में एक छात्र परामर्शदाता के रूप में, सुप्रिया की एक जटिल यात्रा है । इस यात्रा में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिसकी वजह से उसे एक भयानक अतीत से जुझना पड़ता है, यह अतीत ऐसा होता है जिसे वह पीछे छोड़ती नहीं दिख रही है। प्राइम वीडियो पर वापस आकर मैं खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में दिखाए गए मानव के विभिन्न स्वभाव के पहलुओं का और भयावहता का आनंद लेंगे। इस सीरीज में इश्वाक सिंह, पूजन छाबड़ा, रिजुल रे, ज़ोआ मोरानी, साहिल सलाथिया और अरु कृष्ण वर्मा हाई स्कूल के दोस्तों के रूप में दिखाई देंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म 'गिद्ध' को मिले जबरदस्त प्यार को आभारी हूं: संजय मिश्रा

अभिनेता संजय मिश्रा की हिंदी लघु फिल्म गिद्ध (द स्कैवेंजर) ने एशिया अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2023 जीती है। अभिनेता को महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म की जीत के साथ गिद्ध अब ऑस्कर में जाने की एक मजबूत दावेदार बन गई है। लघु फिल्म गिद्ध समाज के लिए एक आईना है। यह समाज की वास्तविकताओं के बारे में बोलती है, जिनसे अधिकांश लोग मुंह मोड़ लेते हैं। गिद्ध को पहले यूएसए फिल्म फेस्टिवल 2023 की जूरी द्वारा फाइनलिस्ट के रूप में भी चुना गया था। इसके अलावा, इस फिल्म को एलए शॉर्ट्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 और कार्मार्थन बे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 सहित अन्य प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म समारोहों में भी चुना गया था। फिल्म पर संजय मिश्रा ने कहा कि हमारी फिल्म गिद्ध को वैश्विक स्तर पर मिले जबरदस्त प्यार को लेकर मैं बेहद आभारी हूं। यह मेरी एक अविस्मरणीय यात्रा रही है, और ऐसा अविश्वसनीय अनुभव हमेशा मेरे साथ रहेगा। संजय मिश्रा ने कहा कि हमने हर दृश्य में अपना दिल लगाकर चुनौतियों का सामना किया, और उस जादू को देखा जो हमारी आंखों के सामने प्रकट हुआ। उन्होंने आगे कहा, हमारी कड़ी मेहनत और समर्पण को लेकर जो हमें प्यार मिला है उससे मैं बहुत प्रभावित हूं। एलेनार फिल्म्स द्वारा निर्मित और अमदावद फिल्म्स द्वारा सह-निर्मित गिद्ध के निर्देशक मनीष सैनी हैं, जो ध और गांधी एंड कंपनी जैसी गुजराती सिनेमा फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

'ब्लाइंड' में सोनम कपूर का दिव्यांग के रूप में दिखा दमदार अंदाज

सोनम कपूर उन कलाकारों में से एक हैं जो किसी भी तरह के किरदार को पर्दे पर उतारने से कभी नहीं झिझकतीं। काफी समय से उन्हें किसी भी फिल्म में नहीं देखा गया। हालांकि, अब उनकी नई फिल्म ब्लाइंड रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। फिल्म के ऐलान के साथ-साथ मेकर्स ने इसका जबरदस्त ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। एक बार फिर से पर्दे पर सोनम का एक अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में सोनम ने एक दिव्यांग लड़की का किरदार निभाया है। सोम मुखर्जी के निर्देशन में बनी ब्लाइंड में सोनम को जबरदस्त एक्शन करते हुए देखा जा रहा है। फिल्म में एक

बॉलीवुड | गपशप

सस्पेंस थ्रिलर ड्रामा देखने को मिलने वाला है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि सोनम बेशक एक दिव्यांग लड़की है, लेकिन वह एक अपराध की गवाही भी दे रही है, जिसे उन्होंने सुन और महसूस किया है, लेकिन पुलिस अधिकारी उनकी किसी भी बात पर भरोसा करने के लिए तैयार ही नहीं हैं। हालांकि, वो भरोसा दिखाती है कि आंखें न होने के बावजूद वह सब चीजें बहुत बारीकी से महसूस करती हैं।

फिल्म में पूरब कोहली को खलनायक के रोल में देखा जा रहा है। वहीं, विनय पाठक इसमें पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर इतना जबरदस्त है कि इसे देखने के बाद फिल्म के लिए आपकी भी उत्सुकता काफी बढ़ जाएगी। वहीं, सोनम कपूर का एक्शन अंदाज भी शानदार दिख रहा है। वैसे, फिल्म कितना कमाल दिखा पाती ये तो वक्त के साथ ही पता चल पाएगा, लेकिन ट्रेलर काफी दिलचस्प बनाया गया है।

यहां सुअर देखने के लिए लाखों दे रहे लोग लग्जरी होटल रूम ले रहे किराये पर

हर किसी का अलग शौक हो सकता है, लेकिन कभी आपने सुना है कि कोई सुअर देखने के लिए लाखों रुपये खर्च करे। यहां तक कि लग्जरी होटल का रूम किराये पर ले। शायद नहीं। मगर चीन में ऐसा हो रहा है। यहां लोगों को सुअरों को करीब से देखना इतना पसंद है कि वे इसके लिए एक लाख रुपये तक देने के लिए तैयार हैं। उस होटल रूम को किराये पर ले रहे हैं जिसकी खिड़कियों से यह दुर्लभ सुअर दिखाई देते हैं। पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत में थीम पार्क एक होटल बनाया गया है, जो बिल्कुल महल की तरह नजर आता है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि इसकी खिड़कियों से जमीन पर मौजूद सुअरों को देखा जा सके। आप सोच रहे होंगे कि सुअर कोई क्यों देखना चाहेगा। दरअसल, यह बेहद दुर्लभ और सबसे मूल्यवान सूअरों में से एक हैं, जिनसे फेमस और पारंपरिक डिश जिन्हुआ हैम बनती है। देखने में यह विशालकाय पांडा नजर आता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह पार्क 'पांडा पिग' नाम के सुअरों की नस्ल को प्रमोट करने के लिए साल 2021 में खोला गया था। इस पार्क को लोग जिन्हुआ का डिज्नीलैंड भी बोलते हैं। जो सुअर यहां से नजर आते हैं उनका सिर और पूंछ वाला हिस्सा काले रंग का होता है। इस नस्ल को मूल रूप से टू-एंड ब्लैक पिग कहते हैं, और तकरीबन 1200 वर्षों से यह चीन में मौजूद हैं। इसे जिन्हुआ ड्राई-क्योर्ड हैम का पारंपरिक स्रोत भी माना गया है। जो इटली के प्रोसियुट्टो डी पर्मा और स्पेन के जामोन इबेरिको का मुकाबला करता है। ये दोनों डिश भी सुअरों से ही बनाई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इटली के व्यापारी और राजदूत मार्को पोलो 13वीं सदी में जिन्हुआ से ड्राई-क्योर्ड हैम का सीक्रेट यूरोप लेकर गए थे। उसके बाद से यह पूरी दुनिया में मशहूर हो गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नस्ल के सुअर अब सिर्फ 80 हजार तक ही बचे हैं, जो सुअरों की कुल आबादी का सिर्फ 3 फीसदी है। इसलिए इन्हें बेहद दुर्लभ माना जाता है।

अजब-गजब | इस मंदिर में चोरी करने पर चोर हो जाते हैं अंधे

न ताला, न सुरक्षा फिर भी इस मंदिर में आजतक नहीं हुई चोरी!

हिंदू परंपरा में सभी देवी-देवताओं का विशेष महत्व है। हर देवी-देवता की पूजा का अपना-अपना विधान है। कष्ट निवारण के लिए शनिदेव महाराज की पूजा की जाती है। रेवाड़ी शहर के बाला सराय मोहल्ला स्थित शनिदेव धाम रेवाड़ी का प्राचीन मंदिर है। बताते हैं कि करीब 250 साल पहले मराठों के राज से पहले मंदिर की स्थापना की गई थी।

हरियाणा में रेवाड़ी और हिसार में ही शनिदेव के दो सबसे पुराने और बड़े मंदिर हैं, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर कमेटी के संचालकों का कहना है कि जब मराठों का राज था, तब राजा की सेना यहां से निकल रही थी। जिस सेना को शनिदेव की शक्ति ने यहां रोक दिया था, जिसके बाद शनिदेव के दर्शन करने के बाद ही वह सेना आगे बढ़ पाई थी।

कहा ये भी जाता है कि शनिदेव की शक्ति का असर इतना रहा है कि चोर मंदिर से चोरी नहीं कर पाए। कई बार आपने सुना होगा कि मंदिर से चोर सामान चुरा ले गए लेकिन इस मंदिर में आज तक चोर चोरी नहीं कर पाए। हालांकि, चोरों ने

चोरी का प्रयास कई बार किया था, लेकिन मंदिर कमेटी के सदस्य बताते हैं कि शनिदेव के चमत्कार के कारण चोर अंधे हो जाते हैं या बाबा की शक्ति के सामने सामान छोड़कर भाग जाते हैं।

रेवाड़ी शहर के धारूहेड़ा चुंगी स्थित बाला सराय मोहल्ले में बने शनि धाम की लोगों में गहरी आस्था है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। शनिदेव की पूजा करने का भी अलग तरीका होता है। कहते हैं कि शनिदेव की मूर्ति की आंखों में नहीं देखना चाहिए। मूर्ति की सामने से पूजा न करके साइड से पूजा करनी चाहिए। शनिदेव की पूजा करने के बाद शिव शंकर और हनुमानजी की पूजा अर्चना ज़रूर करनी चाहिए, तभी शनिदेव की पूजा सफल मानी जाती है।

हिंसा से नहीं प्रेम से होता है समस्या का समाधान : राहुल

» शांति के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं उसके लिए तैयार

» मणिपुर में हुई घटनाएं एक त्रासदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में हिंसा ग्रस्त दौर व राज्यपाल से मुलाकात के बाद कहा कि हिंसा कोई समाधान नहीं है। राहुल ने सरकार से राहत शिविरों में 'मूलभूत सुविधाओं में सुधार करने अनुरोध किया। उन्होंने मणिपुर की घटनाओं को एक त्रासदी बताया, जो राज्य और देश के लिए 'दर्दनाक है। उन्होंने राजभवन के बाहर पत्रकारों से कहा कि शांति के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं उसके लिए तैयार हूं।

मैं सभी लोगों से शांति कायम करने की अपील करता हूं क्योंकि हिंसा से कभी कोई हल नहीं निकल सकता। राहुल गांधी ने कहा,शांति ही आगे बढ़ने का रास्ता है और हर किसी को अब शांति के बारे में बात करनी चाहिए और उसकी ओर बढ़ना शुरू करना चाहिए। मैं मणिपुर के लोगों का दर्द साझा करता हूं। यह मणिपुर और देश के लोगों के लिए बेहद दुखद और दर्दनाक है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, एक बात जो मैं सरकार से कहना चाहूंगा, वह यह है कि शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार की जरूरत है. भोजन में सुधार की जरूरत है। दवाओं की आपूर्ति की जानी चाहिए। शिविरों से इस संबंध में शिकायतें आई है। राहुल गांधी ने बाद में एक ट्वीट में कहा, हिंसा से कुछ नहीं होने वाला है- प्रदेशवासियों से अपील है कि हमें शांति बनाएं।

शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार करे सरकार

मुसीबत के समय देशवासियों के साथ खड़े होना ही सच्ची देशभक्तिः प्रियंका

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, मुसीबत के समय देशवासियों के साथ खड़े होना ही सच्ची देशभक्ति है। मोहब्बत, शांति व आपसी प्रेम के संदेश के साथ पूरी कांग्रेस पार्टी व देश के तमाम लोग मणिपुर के बहनों और भाइयों के साथ खड़े हैं। पार्टी के एक अन्य महासचिव जयराम रमेश ने मणिपुर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी को लेकर सवाल उठाया और कहा कि राहुल गांधी लोगों की बात सुनने और इस जारी संघर्ष के दौरान उनके दर्द को समझने के लिए मणिपुर गए थे। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा के दौरान के अपने संदेश को आगे बढ़ाते हुए राज्य में निरंतर शांति और सद्भाव की अपील की है।

वर्षा से पूरे प्रदेश में जन-जीवन अस्त-व्यस्त

» मानसून पूरी तरह सक्रिय, कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश भर में भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। इसी के साथ पूरे प्रदेश में जगह-जगह दुर्घटनाएं भी हुई। भारी बारिश से जन-जीवन भी अस्त-व्यस्त रही। उधर अब भी अगले दो दिनों तक पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। बीते दो दिनों में पूर्वी यूपी के ज्यादातर स्थानों और पश्चिमी यूपी में कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई है।

जिन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई वहां लगातार बादल छाए रहे। पूर्वी यूपी में शुक्र वार को प्रतापगढ़ में सर्वाधिक 116 मिमी तथा पश्चिमी यूपी के कोंच (जालौन) में सर्वाधिक 84 मिमी बरसात दर्ज की गई। जबकि बीते 24 घंटों में पूरे प्रदेश में 15.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, प्रदेश में मानसून के सक्रिय रहने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। इसी तरह अवध के लगभग सभी जिलों में बृहस्पतिवार व शुक्रवार को जोरदार बारिश हुई। इसके चलते शहरी क्षेत्रों में जलभराव समस्या पैदा हुई।

पहाड़ों पर भूस्खलन

भारी बारिश से पहाड़ों पर भूस्खलन, गुजरात-महाराष्ट्र में निचले इलाके डूब गए है। आइएमडी के अनुसर जुलाई में पूरे देश में बारिश औसत ही रहेगी। वहीं जून में कम से कम 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम बारिश हुई, बिहार और केरल में सामान्य से 69 प्रतिशत और 60 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई। जुलाई के दौरान, उत्तर पश्चिम और भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

'आदिपुरुष' को लेकर हाईकोर्ट केंद्र पर सख्त

» पांच विशेषज्ञों की समिति करेगी फिल्म का पुनरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाल ही में रिलीज फिल्म आदिपुरुष के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त आदेश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को विशेषज्ञों की 5 सदस्यीय समिति बनाकर फिल्म का पुनरीक्षण कराने का आदेश दिया। इनमें दो सदस्य गोस्वामी तुलसीदास कृत श्री राम चरित मानस व श्रीमद वाल्मीकि रामायण व अन्य धार्मिक महाकाव्यों के विद्वान होंगें जिससे यह देखा जा सके कि फिल्म में दिखाए गए भगवान राम, सीता जी, हनुमान जी व रावण आदि की कहानी को इन महान धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दिखाया गया है या नहीं।

इसके साथ समिति यह भी देखे कि फिल्म में देवी सीता व विभीषण की पत्नी को निम्नस्तर पर या अश्लील चारित्र में तो नहीं दिखाया गया है, जो सेन्सर बोर्ड के दिशानिर्देशों के तहत हैं या नहीं। कोर्ट ने कहा यह समिति हफ्ते भर में बनाई जाय। इसके बाद केंद्रीय सूचना प्रसारण सचिव निजी हलफनामे के साथ 15 दिन में समिति की रिपोर्ट 27 जुलाई तक कोर्ट में पेश करेंगें।

जयशंकर मेरे अच्छे मित्र व योग्य विदेश मंत्री: थरूर

» शांत रहने की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को शांत रहने की टिप्पणी पर फंस गए हैं। शनिवार को उन्होंने सफाई पेश करते हुए कहा कि लंदन में खालिस्तानियों द्वारा भारतीय ध्वज को उतारे जाने की घटना पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जो भी प्रतिक्रिया दी है, उसे लेकर मेरा कोई उनसे मतभेद नहीं है। इतना ही नहीं, थरूर ने जयशंकर को अपना मित्र और एक योग्य विदेश मंत्री भी बताया।

पश्चिम को दूसरों पर टिप्पणी करने की बुरी आदत : जयशंकर

दरअसल, विदेश मंत्री इस साल दो अप्रैल को बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने की पश्चिम की आदत की आलोचना की थी। जयशंकर ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि मैं आपको सच्चा जवाब दूंगा (हम पश्चिम को भारत पर टिप्पणी क्यों करते देखते हैं)। इसके दो कारण हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पश्चिम को दूसरों पर टिप्पणी करने की बुरी आदत है। वे सोचते हैं कि यह उन्हें भगवान का दिया किसी तरह का अधिकार है। उन्हें अनुभव से ही सीखना होगा कि अगर वे ऐसा करते रहेंगे तो दूसरे लोग भी कमेंट करने लगेंगे और ऐसा होने पर उन्हें अच्छा नहीं लगेगा और मैं देख रहा हूं कि ऐसा हो रहा है।

शशि की थी सलाह-पश्चिमी देशों से आने वाली टिप्पणियों को सामान्य तरीक से लें

पश्चिमी देशों पर जयशंकर की टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उन्हें थोड़ा शांत रहने की सलाह दी थी। थरूर ने कहा था कि हर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा था कि किसी की टिप्पणी पर इतना कमजोर होने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि सरकार के रूप में वहां (पश्चिमी देशों) से आने वाली टिप्पणियों को सामान्य तरह से लें। अगर हम हर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हैं, तो हम खुद का नुकसान कर रहे हैं। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर से थोड़ा शांत रहने का आग्रह किया था।

नीरज ने फिर फेंका स्वर्णिम भाला

» डायमंड लीग में किया कमाल, गोल्ड मेडल जीतकर रचा इतिहास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुसाने। भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वीटजरलैंड के लुसाने में खेली गई डायमंड लीग में एक बार फिर से देश का नाम ऊंचा करते हुए इतिहास रच दिया है। ओलंपिक गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल कर इतिहास रचने वाले नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में गोल्ड मेडल जीता है।

इस लीग में नीरज का ये चौथा गोल्ड मेडल है। बता दें कि इससे पहले नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भी गोल्ड मेडल हासिल किया था। वहीं इस मुकाबले में नीरज की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। उनका पहला थ्रो फाउल रहा था। हालांकि इसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन में जोरदार बदलाव किया और सीधे गोल्ड मेडल हासिल करने में सफलता पाई।

87.66 मीटर भाला फेंका

उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल करने के लिए लीग में 87.66 मीटर भाला फेंका और जोरदार वापसी कीष बता दें कि 25 वर्षीय नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में उतना दमदार प्रदर्शन नहीं कर सके जितना उनसे उम्मीद थी। इस लीग में उन्होंने जैसे ही पहला थ्रो डाला तो हर भारतीय फैंस की सांसे ही अटक गई क्योंकि पहला थ्रो फाउल था। हालांकि इसके बाद उन्होंने 83.51 और 85.04 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने चौथा थ्रो फेंका जो उम्मीद के मुताबिक नही रहा और फाउल हो गया। इसके बाद उन्होंने 87.66 का थ्रो डालकर लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

जर्मनी के वेबर से था मुकाबला

एक समय था जब मुकाबले में नीरज के हाथों से गोल्ड मेडल जाता दिख रहा था। टूर्नामेंट में जर्मनी के जूलियन वेबर ने नीरज चोपड़ा को कड़ी टक्क र दी थी। हालाकि वो गोल्ड मेडल नहीं जीत सके और सिल्वर मेडल हासिल करने में सफल रहे। अंतिम थ्रो में उन्होंने 87.03 मीटर का भाला फेंका मगर वो नीरज को मात नहीं दे सके। वहीं ब्रॉन्ज मेडल चेक रिपब्लिक के याकूब वादलेज्चे ने हासिल किया। उन्होंने 86.13 मीटर थ्रो फेंक कर ये उपलब्धि हासिल की। गौरतलब है कि नीरज चोपड़ा ने हाल ही में चोट के बाद वापसी की है, जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया है।

15 सालों से जमे नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी का 4PM में खबर छपने के बाद तबादला

» अशोक सिंह पर गिरी गाज

□□□ मो. शारिक/4पीएम न्यूज़

लखनऊ। आखिरकार अंगद की तरह नगर निगम में डेढ़ दशक से पैर जमाए मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पांव 4 पीएम की खबरों की मुहिम ने उखाड़ ही दिए। लगभग 15 सालों से नगर निगम को दीमक की तरह खोखला करे रह है इस रसूखदार अधिकारी को शासन ने अलीगढ़ भेज दिया है। गौरतलब हो कि अशोक सिंह के खिलाफ कई सालों से शिकायतें मिल रही थी पर उसका कोई भी बाल भी बांका नहीं कर पा रहा था। उसकी पहुंच इतनी ऊपर तक थी कि जनहित की योजनाओं में वह घपले करता था पर आला अधिकारी संज्ञान तक नहीं लेते थे।

अशोक सिंह के साथ कुछ चहेतों पर भी गाज गिरी है। हालांकि अशोक सिंह के ओएस दिनेश कुमार का तबादला अभी भी नहीं हुआ है। वह भी कई सालों से वहां जमा हुआ है। गौरतलब हो कि नगर निगम के निर्वतमान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह लगातार विवादों में बने हुए थे। आलम यह था कि अशोक सिंह के लिए कभी नियम कायदे भी कोई मायने नहीं रखते थे। वो जो चाहते हैं, करते हैं। यही वजह है कि वो जोनल और जोन 3 के जोनल भी रह चुके हैं। इस अधिकारी का रुतबा ऐस था कि कई सालों से अपर नगर आयुक्त का कमरा तक कब्जाए हुए था। जबकि खुद अपर नगर आयुक्त के पद पर तैनात हुए अनूप बाजपेई बैठने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे थे। इतना ही नहीं अशोक सिंह ने अपनी सेवाकाल के अधिकांश वर्ष नगर निगम लखनऊ में ही बिताए। ये इनके प्रभाव का ही असर है कि इनका लखनऊ से इतर कहीं ट्रांसफर भी नहीं किया जाता था। जबकि खुद नगर निगम कर्मचारियों के ट्रांसफर में बड़े खेल करते हैं और अपने चहीतों को मनचाही जगहों पे भेज देते थे।

अलीगढ़ किया गया ट्रांसफर

प्रदेश शासन ने दिया आदेश

सांध्य दैनिक 4PM खबर का असर

विवादों से था पुराना नाता

होर्डिंग और यूनीपोल में भी किया था बड़ा घोटाला

शासन में अपनी पहुंच के चलते कई नगर निगमों के बदल जाने के बावजूद अशोक सिंह अपनी जगह से नहीं हिलता था। वहीं अपने करीबियों को फायदे के पदों पर बिठाकर उनसे लाभ कमा रहे थे। अपने करीबी पंकज अवस्थी को प्रचार का काम थमा कर होर्डिंग और यूनीपोल में भी बड़ा घोटाला किया। अशोक सिंह की साठ गांठ के चलते ही कई बड़ी एजेंसियों के बकाया का भी पता नहीं चल पाता था। अभी गत महीने इकाना स्टेडियम का योनिपोल गिरने के मामले में भी इनका नाम उछला था। ऐसी न जाने और कितनी कंपनिया हैं, जो अशोक सिंह और पंकज अवस्थी की सांठ-गांठ से नगर निगम को चुना लगा रही थी। इतना ही नहीं ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी टैक्स वसूली में भी सालों से घोटाला कर रहे हैं और ट्रांसफर व पोस्टिंग में भी बड़ा खेला कर रहे थे। इस बाबत मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के स्थानांतरण की नीति निर्गत की थी। इस नीति के तहत जो अधिकारी अपने सेवाकाल में सम्बंधित जनपद में कुल 3 वर्ष पूरे कर चुके हों, उनको उक्त जनपदों में स्थानांतरित कर दिया जाए।

15 वर्षों से थी तैनाती, कर्मियों में था आक्रोश

लखनऊ नगर निगम में तैनात मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह पिछले लगभग 15 वर्षों से यहां तैनात थे। कई इनके खिलाफ छोटे अधिकारी दबी जुबान से सवाल खड़े करते रहे। छोटे अधिकारी तो यह तक कहते थे कि अगर हमारे 3 साल हो जाते तत्काल प्रभाव से हमें स्थानांतरित कर दिया जाता था लेकिन अशोक सिंह का कुछ नहीं बिगड़ता था। साथी तो आपस में ये तकचर्चा करते थे कि ऐसी क्या वजह है कि मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह पर नगर निगम शासन प्रशासन की कोई नीति लागू नहीं होती। कर्मचारी ये भी बताते थे कि जो 7 वर्ष पूर्ण कर चुके हों उनको मंडल से स्थानांतरण हेतु उक्त निर्धारित अवधि में नहीं गिना जाएगा। मंडलीय कार्यालयों में तैनाती की अधिकतम अवधि 3 वर्ष होगी। लेकिन सवाल ये ही है जब ये नीति लागू थी तो फिर अब तक अशोक सिंह कैसे अब तक इस नीति के दायरे से बचे हुए थे? आखिर क्या वजह है कि अशोक सिंह पिछले कई वर्षों से यहीं पर जमे हुए थे।

बिहार में शिक्षक अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

» सरकार से मांग-डोमिसाइल नीति लागू करे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नई शिक्षक नियमावली के विरोध में शिक्षक अभ्यर्थी शनिवार को पटना की सड़क पर उतर गए और जमकर प्रदर्शन करने लगे। राजभवन मार्च के लिए शिक्षक अभ्यर्थी पहले गांधी मैदान में जमा हुए। करीब 2000 से अधिक शिक्षक अभ्यर्थी हाथों में तिरंगा लेकर राजभवन की ओर बढ़ रहे थे कि जेपी गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया गया।

अभ्यर्थी आगे न जा पाए इसके लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। अभ्यर्थी बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी करने लगे। उनका कहना है कि बिहार सरकार जल्द से जल्द डोमिसाइल नीति लागू करें। इससे रोड पर अफरातफरी मच गई।

आचार संहिता के तरह कार्रवाई की जाएगी : शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग ने पहले ही अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए एक आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि नई शिक्षा नियमावली का विरोध करने वालों के खिलाफ आचार संहिता के तरह कार्रवाई की जाएगी। इसके पहले शिक्षक अभ्यर्थियों ने बिहार सरकार को डोमिसाइल नीति लागू करने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटल दिया था।

फोटो :4 पीएम

जन्मदिन की बधाई

हनुमान सेतु पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के शुभ अवसर पर हवन पूजन कर उनकी दीर्घायु उम्र की ईश्वर से कामना करते पार्टी वर्कर।

बस पलटने से लगी आग, 26 लोग जिंदा जले

» बुलढाणा में समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा

» मृतकों में 3 बच्चों भी शामिल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शनिवार की भोर भीषण हादसा हो गया। यहां बुलढाणा में नागपुर से पुणे जा रही एक बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के मुताबिक, बस जब समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर बुलढाणा के पास थी तभी बस पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि के मुताबिक, बस में 33 लोग सवार थे। जिनमें से 26 लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं, अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर बुलढाणा जिला कलेक्टर ने कहा कि शवों की डीएनए जांच की जाएगी, जिसके बाद सभी शवों कों परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

मृतकों के परिवारों को 5 लाख की सहायता

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस हादसे में मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। घायलों के इलाज का खर्च राज्य सरकार उठाएगी। हम जिले के साथ-साथ पुलिस प्रशासन के भी संपर्क में हैं और हर तरह की मदद तुरंत मुहैया कराई जा रही है।

बस ड्राइवर का दावा- फट गया था टायर

इस हादसे में छह से आठ लोग घायल हैं। फिलहाल हादसे की सही वजहों का पता नहीं चल पाया है। घायलों को बुलढाणा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। बस का ड्राइवर भी बच गया और उसने कहा कि टायर फटने के बाद बस पलट गई, जिससे बस में आग लग गई।

रक्षा मंत्री ने खेद जताया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि महाराष्ट्र के बुलढाना जिले में हुए बस हादसे की खबर से मुझे अत्यंत दुख पहुंचा है। इस दुर्घटना में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मैं उनके परिवार वालों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना करता हूं।

बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब दो बजे की है। बस से 25 शव निकाले गए हैं। बस में कुल 33 लोग सवार थे। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। बुलढाना बस हादसे के बाद पीएमओ ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने लिखा कि महाराष्ट्र के बुलढाना में दर्दनाक बस दुर्घटना के बाद बहुत दुखी हूं. मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।